महानिदेशालय, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

अपील

हिंदी हमारे देश की सशक्त संपर्क भाषा है। इसने राष्ट्रीय स्तर पर सभी राज्यों व समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने और संपूर्ण राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में भी हिंदी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी के महत्व और योगदान को मान देते हुए संविधान निर्माताओं द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को इसे केंद्र की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष देशभर में 14 सितम्बर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

यह अत्यंत हर्ष की बात है कि विगत वर्षों में हिंदी ने देश की सभी कम या ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं एवं बोलियों को समान आदर देते हुए उनसे आत्मिक संबंध बनाया है और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी को राजभाषा का असली दर्जा प्रदान करने के लिए यह जरूरी है कि हम हिंदी का प्रयोग करने में आने वाली समस्याओं व हिचकिचाहट के कारणों का पता लगाएं, उन्हें दूर करें और हिंदी के प्रयोग के लिए उपयुक्त वातावरण बनाएं।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल भारत सरकार द्वारा सौंपे गए दायित्वों के अतिरिक्त राजभाषा नीति के पालन के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। यह हमारे सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है कि बल के कई कार्यालयों ने गृह मंत्रालय एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की शील्ड योजनाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच अपनी विशिष्ट छवि बनाई है। अभी हाल ही में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा हमारे क्षेत्रीय मुख्यालय (गंगटोक), 34वीं वाहिनी तथा पर्वतारोहण एवं स्कीईंग संस्थान (औली) का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों में समिति द्वारा भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के उक्त तीनों अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषायी कार्यों की स्थिति की सराहना की गई ।

हम बल मुख्यालय में 01 से 15 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा मना रहे हैं। इसके शुभारंभ के अवसर पर मैं बल के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ। मैं सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों से अपील करता हूँ कि वे स्वेच्छा एवं समर्पित भावना से राजभाषा नीति का पालन करें। विशेषकर, अधिकारियों से मेरा आग्रह है कि स्वयं शासकीय कार्य में सरल हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग कर अपने अधीनस्थों के लिए प्रेरणा स्रोत बनें। आओ, हम सभी संकल्प करें कि अपने शासकीय कार्यों में हिंदी का अधिकतम प्रयोग करेंगे।

जय हिंद।

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 01 सितम्बर, 2018

(आर.के. पचनंदा)
महानिदेशक